E-newsletter
March-2016

NPS

NAGAR PARISHAD SUJAGNARH,CHURU

Rajasthan

परिचय एवं इतिहास –

सुजानगढ़ चूरू जिले का पुराना एंव मुख्य शहर है इस शहर को पुराने समय में खरबु जी का कोट के नाम से जाना जाता था। महाराजा सूरत सिंह ने 1735 ई. में इस क्षेत्र को अधिकार में लेकर इसका नाम सुजानसिंह के नाम पर सुजानगढ़ रखा। यहां पुराना किला अभी भी विद्यमान है। सुजानगढ़ शहर सन् 1947 से पूर्व बीकानेर रियासत का एक जिला था, इसमें राजाजी की कोठी में महाराजा गंगा सिंह व उत्तरवर्ती राजाओं के दरबार लगते थें। अग्रेंज सरकार का पोलिटिकल एजेण्ट उक्त राजाजी की कोठी में अपना कार्यालय चलाता था। इसके अलावा गढ़ क्षैत्र में जिला न्यायालय निजामत अदालत व अन्य छोटी–छोटी अदालतें भी लगती थी।

नगर परिषद सुजानगढ़ पूर्व में बीकानेर स्टेट टाईम से ही नगर पालिका थी। वित्तिय वर्ष 2012–13 में इसे परिषद का दर्जा मिला। परिषद की आबादी वर्ष 2011 में 1,01,523 थी। सुजानगढ़ शहर का आबादी के आधार पर राजस्थान का 25वां शहर है तथा भारत का 487वां शहर है।

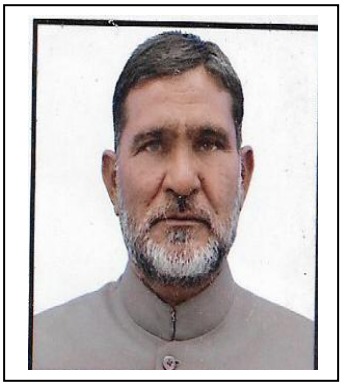

(सिकन्दर अली खिलजी)
सभापति
नगर परिषद् सुजानगढ़

सुजानगढ शहर के प्राचिन ऐतिहासीक व वर्तमान महत्व को ध्यान में रखते हुए हम सुजानगढ़ की प्रबुध जनता की सुविधा हेतु शहर के स्वरूप व ऐतिहासीकता को कायम रखते हुए जनता को उच्च स्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध कराने व शहर का क्रमबद्ध एवं सुनियोजित विकास करने हेतु सदैव तत्त्पर है।

(देवीलाल बोचल्या)
आयुक्त
नगर परिषद् सुजानगढ़

सुजानगढ़ शहर के विकास स्वच्छता हेतु अमृत योजना के अन्तर्गत विकास के कार्य करवाये जायेगें। कार्य पूर्ण होने पर सुजानगढ़ शहर विकसीत शहरों के समकक्ष होगा। जनता के कार्यो का समयबद्ध निपटारा करने हेतु शीघ्र ही एकल खिड़की व्यवस्था लागु की जायेगी।